जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया

प्रश्न पत्र का नाम– संगीत गायन

संगीत एवं संगीतकारों का सामान्य परिचय

क्रेडिट–4 **सतत आन्तिरिक मूल्यांकन–25**

पूर्णांक–100 **सत्रांत परीक्षा–75**

पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम का उद्देश्य– यह प्रश्न पत्र विद्यार्थियों को संगीत विषय की समान्य जानकारी देने के लिए बनाया गया है। संगीत एक ऐसा विषय है जो केवल पठन–पाठन तक ही सिमित नही रहता बल्कि यह कई रोगो के उपचार में तथा स्वस्थ जीवन के लिए भी सहायक होता है। संगीत मनुष्य के मन में उल्लास का संचार करता है तथा जन्म से मृत्यु तक मनुष्य के साथ रहता है। इस प्रश्न–पत्र का मुख्य उद्देश्य संगीत विषय के विषय प्रवेश से जुडा हुआ है जिससे संगीत न पढने वाले विद्यार्थी भी संगीत विषय के बारे में जान सके और आवश्यकतानुसार उसका प्रयोग पठ्न–पाठ्न तथा समान्य जीवन में कर सके।

क्र0 सं0	शीर्षक	व्याख्यान अवधि–60 घंटा	शिक्षण अवधि
	ईकाई प्रथम **संगीत गायन**		
1	भारतीय संगीत का इतिहास– प्राचीन काल मध्यकाल आधुनिक काल		व्यख्यान विधि / परिचर्चा / विश्लेषण
	ईकाई –2		
2	अ)–परिभाषिक शब्दो की चर्चा– नाद, श्रुति, स्वर, ग्राम, मूछना, वर्ण, अलंकार, गमक, राग, थाट ब)– राग वर्गीकरण प्राचीन काल से लेकर आधुनिक काल तक की समस्त राग वर्गीकरण का अध्ययन।		व्यख्यान विधि परिचर्चा विश्लेषण व्यख्यान विधि परिचर्चा विश्लेषण।

	ईकाई –3		
3	अ)– घराना का इतिहास एवं चर्चा– ग्वालियर घराना, किराना घराना, आगरा घराना, पटियाला घराना,दिल्ली घराना ब)– शास्त्रकारों एवं कलाकारों का सांगीतिक योगदान– पण्डित विष्णु नारायण भातखण्डे, पण्डित विष्णु दिग्मबर पलुस्कर, पण्डित ओमकार नाथ ठाकुर, अब्दुल करीम खान, अमीर खान, राजा भैया पूछवाले		व्यख्यान विधि / परिचर्चा / विश्लेषण व्यख्यान विधि / परिचर्चा / विश्लेषण
	ईकाई –4		
4	अ)– रागो का परिचय, एवं तुलनात्मक अध्ययन राग भैरव, राग भैरवी, राग जौनपुरी, राग आसावरी, राग मालकौश, राग भीमपलासी ब)– तालो का परिचय दुगुन, चौगुन की लयकारी के साथ ताल दादरा, ताल कहरवा, ताल झपताल, ताल तीनताल,ताल एकताल		व्यख्यान विधि / परिचर्चा / विश्लेषण व्यख्यान विधि / परिचर्चा विश्लेषण

अधिगम परिणाम– संगीत का सम्बन्ध मानव जीवन से है विद्यार्थी संगीत विषय की समान्य जानकारियो से परिचित हो सके तथा अपनी रूची के अनुसार इसका विस्तार कर सकेगें।

1– भारतीय संगीत का इतिहास– प्रो0 स्वतंत्र शर्मा

2– राग परिचय भाग 3, 4 – हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव

3– ताल परिचय भाग 1, 2 गिरिश्चन्द्र श्रीवास्तव

4– संगीत विषय एवं गणित – डॉ0 तेज सिंह राय

5– हिन्दुस्तानी संगीत शास्त्र – भगवतशरण शर्मा

6– संगीत के घराने के चर्चा– सुशील कुमार चौबे

7– भारतीय तालो का शास्त्री विवेचन– डॉ0 अरूण कुमार सेन

8– अभिनव गीतांजली 1,2,3,4 – रामाश्रय झॉ

9– निबद्ध संगीत– लक्ष्मी नारायण गर्ग

10– संगीत रत्नावली – अशोक कुमार यमन